अनुक्रमणिका

प्रस्तावना xxi-xxix

प्रथम अध्याय: हिंदी उपन्यास और मुस्लिम अस्मिता 1-50

1.1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास

1.2 प्रेमचंद युगीन उपन्यास

1.3 प्रेमचंदोत्तर उपन्यास

1.4 स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास

1.5 साठोत्तरी उपन्यास

1.6 समकालीन उपन्यास

द्वितीय अध्याय: स्वातंत्र्योत्तर भारतीय परिदृश्य और मुस्लिम समाज 51-107

2.1 आर्थिक परिदृश्य

2.2 राजनीतिक परिदृश्य

2.3 सामाजिक परिदृश्य

2.4 धार्मिक परिदृश्य

2.5 सांस्कृतिक परिदृश्य

तृतीय अध्याय: स्वातंत्र्योत्तर मुस्लिम उपन्यासकार और उनके प्रमुख उपन्यासों का संक्षिप्त विवरण 108-143

3.1 राही मासूम रज़ा

3.2 बदीउज़्ज़माँ

3.3 गुलशेर खाँ शानी

3.4 इब्राहीम शरीफ़

3.5 मेहरुन्निसा परवेज़

चतुर्थ अध्याय: स्वातंत्र्योत्तर मुस्लिम उपन्यासकारों के उपन्यासों में मुस्लिम समाज के प्रश्न 144-230

4.1 सांप्रदायिकता और अलगाववाद की समस्या

4.2 विभाजन की त्रासदी

4.3 अशिक्षा और आर्थिक दुरावस्था

4.4 स्त्री जीवन के प्रश्न

पंचम अध्याय: स्वातंत्र्योत्तर मुस्लिम उपन्यासकारों के उपन्यासों में अभिव्यक्त अन्य प्रमुख विषय 231-274

5.1 हाशिए की अन्य अस्मिताएँ

5.2 वर्गीय दृष्टिकोण

5.3 भारतीयता और लोकतंत्र

षष्ठम अध्याय: स्वातंत्र्योत्तर मुस्लिम उपन्यासकारों के उपन्यासों की भाषा एवं शिल्प 275-315

6.1 भाषा

6.2 शिल्प

उपसंहार: 316-320

संदर्भग्रंथ: 321-335

प्रकाशन सूची: 336-337